

हरिभूमि गुना-राजगढ़-अशोकनगर भूमि फ्रंट पेज

मोपाल, गुरुवार 7 अगस्त 2025

राधौगढ़ | मुंगवाली | आरोन | चाचौड़ा | कुंभराज | ब्यावरा | सारंगपुर | नरसिंहगढ़ | खिलवीपुर | जीरापुर | चंदेरी | नईसराय | ईसागढ़

127 पुष्टि भवित केंद्रों पर मनाया गया पुष्टिमार्ग...

इतिहास के झरोखे से: अशोकनगर में सन 1933 में हुई थी...



जाम से सलापुरा नहर पर लगी वाहनों की कतार, एसडीएम के आशवासन पर खोला जाम

सड़क के लिए सड़क पर लगाया जाम, डेढ़ घंटे तक जाम में फंसे रहे स्कूली बच्चे और एंबुलेंस



हरिभूमि न्यूज़ ►► श्योपुर

पांच गांवों के लिए सड़क निर्माण की मांग को लेकर युवा कांग्रेस ने बुधवार को शहर के सलापुरा नहर पुल के पास सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। इस जाम के कारण सलापुरा नहर पर आकर मिल रहे चारों सड़क मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

चटकदार धूप के बीच करीब डेढ़ घंटे तक लगे रहे इस जाम में जहां कई यात्री वाहन फंसे गए, वहीं एंबुलेंस और स्कूली बच्चे भी इस जाम में फंसेकर पसीना पसीना होते रहे। हालांकि जाम की सूचना पर एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने जाम खुलवाए जाने के लिए जाम लगाकर बैठे लोगों से चर्चा की, लेकिन युवा कांग्रेसियों ने

जाम में फंसे यात्री और स्कूली बच्चे होते रहे पसीना पसीना

सड़क की मांग को लेकर दोपहर करीब 12 बजे से लगाया यह जाम करीब डेढ़ घंटे तक लगा रहा। इस जाम के कारण श्योपुर सवाईमाधोपुर पर जहां वाहनों की जावाजाही रुक गई, वहीं जैद मंडी बाबापुर रोड सहित कलारना दोहर मार्ग भी बाधित हो गया। जाम के कारण इन मार्गों पर काफी दूर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। चटकदार धूप के बीच जाम में फंसे यात्री वाहनों और दुपहिया व तीन पहिया वाहनों में सवार सैकड़ों लोग गर्मी के कारण परेशान होते रहे, वहीं ऑटो में सवार स्कूली बच्चे भी जाम में फंसेकर पसीना पसीना होते रहे। इसके साथ ही इस जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी रही।

एसडीओपी को यह कहते हुए लौटा दिया कि जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी मौके पर आकर आश्वासन देंगे, तब जाकर जाम हटाएंगे। करीब डेढ़ बजे एसडीएम

गगन सिंह मीणा ने मौके पर पहुंचकर समस्या समाधान के लिए प्रयास किए जाने का आश्वासन दिया तो युवा कांग्रेसियों ने जाम खोल दिया।



साहब ये देखो क्या हालत हो रही सड़क की

जाम की सूचना पर एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता, कोतवाली टीआई सतीश चौहान और यातायात टीआई संजय सिंह राजपूत के साथ मौके पर पहुंचे और जाम हटाने के लिए युवा कांग्रेसियों से चर्चा की, लेकिन युवा कांग्रेसियों ने एसडीओपी से यह कहते हुए जाम खोलने से मना कर दिया कि प्रशासन का कोई जिम्मेदारी अधिकारी यहां आकर हमारी परेशानी सुनेंगे, तब जाकर हम जाम हटाएंगे। दोपहर करीब डेढ़ बजे एसडीएम गगन सिंह मीणा मौके पर पहुंचे और उन्होंने जाम लगा रहे लोगों से चर्चा करते हुए उनसे सड़क निर्माण संबंधी आवेदन लेकर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। जिसके बाद कांग्रेसियों ने जाम खोल दिया और एसडीएम को नागदा रोड पर पैदल ले जाकर उन्हें गढ़े दिखाते हुए कहा कि साहब ये देखा सड़क की क्या हालत हो रही है। आगे सड़क की स्थिति और भी खतरनाक हो रही है।

दरअसल ईच्छापुरा, नगदी, नामदा, तिल्लीपुर और मातासूला के लिए चंबल नहर होते हुए जो रास्ता जा रहा है, वह रास्ता पूरी तरह

गड़बड़ में तब्दील हो गया है। जहां होकर इन गांव के लोगों को गुजरना काफी परेशानी भरा साबित हो रहा है। वहीं इस रास्ते से फसल बेचने

सड़क का निर्माण देख कलेक्टर बोले-घटिया काम करने वाले ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करो

हरिभूमि न्यूज़ ►► श्योपुर

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने बुधवार को अचानक बड़ौदा तहसील के अंतर्गत आने वाले सलमानिया सिरसौद गांव के बीच 3 करोड़ 2 लाख रुपए से अधिक लागत से बनी सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घटिया निर्माण पर गहरी नाराजगी जताते हुए जहां निर्माण एजेंसी पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों को खूब खरी-खोटी सुनाई वहीं इस सड़क का निर्माण करने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड करने के निर्देश भी दिए।

दरअसल किसी ने कलेक्टर अर्पित वर्मा को सूचना दी थी कि सिरसौद से सलमानिया तक करीब 8 किलोमीटर तक जो रोड बना है वह घटिया निर्माण के चलते पानी में बह गया है साथ ही ठेकेदार ने काम भी पूरा नहीं किया है और राशि भी निकाल ली है। शिकायत की सत्यता परखने के लिए कलेक्टर अर्पित



हरिभूमि ने भी उठाया मामला

सिरसौद से सलमानिया तक बनी सड़क के घटिया निर्माण किए जाने के मामले को हरिभूमि ने भी 10 जुलाई के अंक में खबर प्रकाशित की थी।



वर्मा पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर मानसिंह व अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे जहां उन्हें पहली ही दृष्टि में घटिया निर्माण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। एस्टीमेट के अनुसार दो पुलिया बनी हुई थी जिनमें से एक पुलिया का निर्माण तो ठेकेदार ने किया ही नहीं जबकि जो

एक पुलिया बनाई गई है वह भी बारिश में बह गई है और फर्जी बिल बनाकर पुलिया निर्माण की राशि निकालने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों को फटकार व पीएमजीएसवाय के जीएम सत्येंद्र चौहान को निर्माण की जांच करने के निर्देश दिए।

दिनदहाड़े क्रुद्ध महिला के कान के टॉप्स लूटकर भागा बदमाश

श्योपुर शहर श्योपुर में नगर पालिका कार्यालय के पीछे स्थित गली में रहने वाले लोग बुधवार की शाम को उस समय खनन रह गए जब एक बदमाश घर के बाहर बैठी क्रुद्ध महिला के कान के टॉप्स लूटकर भाग निकला। क्रुद्ध महिला जब चिल्लाई तब आसपास के लोग उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक बदमाश टॉप्स लूटकर भाग निकला। इन्टर्नेट से टॉप्स खोजने से क्रुद्ध महिला के कान बुरी तरह लाल्टुहान हो गए। इसलिए क्रुद्ध महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। इस मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज के जरिए बदमाश की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल नगर पालिका के पीछे स्थित गली में रहने वाली पुष्पा बाई 92 वर्ष पत्नी रज लक्ष्मीनारायण राठौर बुधवार शाम साढ़े 4 बजे को आसपास जब अपने घर के बाहर अकेली बैठी थी, तभी उसके पास काले रंग के कपड़े पहने बदमाश पहुंचा, जो क्रुद्ध को उठाकर घर के अंदर ले गया और उसका मुंह दबाकर उसके कान में पहने सोने के टॉप्स को इन्टर्नेट से खींचकर ली। वाददात को अंजाम देकर भाग गया था।

युग पुरुष ब्रह्मज्ञानी संत बाबा गुरदीप सिंह जी



युग पुरुष



ब्रह्मज्ञानी संत बाबा गुरदीप सिंह जी

संक्षिप्त जीवन परिचय



सन् 1968 में संत बाबा वरियाम सिंघ जी ने राड़ा साहिब वाले महापुरुषों को विनती की कि महाराज वचन करो कि हमारी यू.पी. वाली जमीन बिक जाए क्योंकि इस इलाके में सिक्खी का नामोनिशान नहीं। यहाँ प्रचारक, ग्रंथी शराब पी के पाठ करते हैं और पाठ करवाने वाले भी मांस, शराब डटकर पीते हैं, पिलाते हैं। पशुओं की चोरी और मारकाट को भी ये लोग बुरा नहीं समझते ऐसा लगने लगा है कि जैसे मैं अकेला ही हूँ। राड़ा साहिब वाले बड़े महाराज जी ने बहुत ध्यान से विनती सुनी और नेत्र बंद कर लिए। कुछ समय बाद नेत्र खोले और कहा " आप लोग अभी जमीन न बेचो। संगत तो तुम से यहाँ संभाली नहीं जाएगी, हम भी किसी समय तुम्हारे साथ संगतों के दर्शन करेंगे। " कुछ समय बाद संत बाबा वरियाम सिंघ जी ने यू.पी. में सत्संग शुरू कर दिए। एक दीवान गुरुद्वारा साहिब गोल मार्केट रुद्रपुर था। उस दीवान में बाबा गुरदीप सिंघ जी पहुँचे तो देखा कि चिमटा एक ही बज रहा है, दूसरा पास ही पड़ा था। बाबा जी वो चिमटा दीवान में बजाने लगे। दीवान की समाप्ति के बाद महाराज जी ने पूछा कि चिमटा बजाना कहीं से सीखा है। बाबा जी ने बताया कि हमारे पिता जी पाकिस्तान में दीवान लगाते थे, उन्हीं से सीखा है। उस वक्त महाराज जी ने वचन किया कि आप हमारे साथ अब जय्थे में सेवा करो। उस दिन से महाराज जी का वचन मानकर माइक-स्पीकर और चिमटे की सेवा बाबा गुरदीप सिंघ जी करने लगे। उस वक्त इलाके के और भी सिख साथ थे। श्रीमान संत बाबा वरियाम सिंघ जी महाराज ने घर-घर जाकर सत्संग दीवान लगाने शुरू कर दिए। आप जी दीवानों का सारा खर्चा स्वयं ही वहन करते थे। उस समय भाई भान सिंघ लोहे वालों के घर बिलासपुर साज और स्पीकर रख देते। धीरे-धीरे इस इलाके में सत्संग की लहर शुरू हो गई। पंद्रह-पंद्रह, बीस-बीस किसी से संत दीवान में हाजिरी भरने लग पड़ी। गांव धनोरा फार्म तहसील बिलासपुर में सत्संग दीवान में बाबा गुरदीप सिंघ जी अपने बड़े भाई बाबा लखवीर सिंघ जी को अपने साथ लाए। आज गांव गोविंदपुरा का भाई अमर सिंघ जो कि दीवान के बाद अरदास की सेवा करता था किसी कारण वश नहीं आ सका। जब महापुरुषों का दीवान हो चुका तो बाबा जी ने बड़े भाई लखवीर सिंघ को इशारा किया कि अरदास करो और हुकुमनामा लो। भाई लखवीर सिंघ जी ने कहा कि आज मैं पहली बार आया हूँ, किसी से कोई ज्ञान-पहिचान भी नहीं है- ऐसा न हो कि कोई टोके। बाबा गुरदीप सिंघ जी ने कहा- कोई नहीं टोकेगा। सभी जान-पहिचान वाले हैं। महापुरुष तो मेरे पिता जी हैं, हम लोग आपस में प्रेमपूर्वक सारी बातें कर लेते हैं। इसलिए आप अरदास करो। भोग के बाद हुकुमनामा श्रवण करने के बाद बाबा गुरदीप सिंघ जी को संत बाबा वरियाम सिंघ जी ने अपने पास बुलाया और पूछा- "ये तुम्हारे साथ कौन है ?" बाबा गुरदीप सिंघ जी ने कहा- यह मेरा बड़ा भाई लखवीर सिंघ है। उस दिन संत महाराज जी ने इन दोनों भाइयों को कहा कि हर दीवान में दोनों भाई आया करो इस दिन से फिर दोनों भाई हर दीवान में जाते रहे और सेवा करते रहे। सन् 1973 में संत वरियाम सिंघ की विनती को पुरवान करके 26 जनवरी से लेकर 11 मार्च तक 45 दिन बड़े महाराज राड़ा साहिब वालों ने यू.पी. और तराई के इलाकों में रुहानी उपदेश की अमृत वर्षा की। इनमें से 14 सत्संग दीवान बिलासपुर के नजदीक गन्ना सोसायटी के गाउँड में सजे। इनमें संगत का भारी जमाव होता रहा। आखिरी दीवान वाले दिन राड़ा साहिब वाले महापुरुषों के जय्थे द्वारा अमृत संचार किया गया। जिसमें 650 प्राणी अमृत छक कर गुरु वाले बने। इन दीवानों के समय राड़ा साहिब वाले महापुरुषों की रिहाइश की देखभाल करने और वचन करने वाली संगतों की भीड़ लगी रहती, जिन्हें बारी-बारी वचन करने का समय दिया जाता। कोई दूध के लिए, कोई पुत्र के लिए, कोई शारीरिक दुख दूर करने के लिए महापुरुषों से आशीर्ष लेते और कोई-कोई नाम-सिंमरन करने के लिए युक्ति पृच्छता- हजारों प्रेमियों ने लाभ प्राप्त किया। बलवंत फार्म पर ही संत वरियाम सिंघ जी अपने साथ बाबा गुरदीप सिंघ जी और बाबा लखवीर सिंघ जी को लेकर बड़े महाराज जी के पास आए उन्होंने नमस्कार की, चरण-धुलि प्राप्त हुई। संत वरियाम सिंघ जी ने बताया- महाराज जी ! ये दोनों भाई मेरे जय्थे के सिंघ हैं, इन पर कृपा करो जी। राड़ा साहिब वाले महापुरुषों ने प्रसन्न होकर बहुत सारे वर दिए। वचन हुआ- तुम दोनों भाई सत्संग में आते ही रहा करो। तुम से गुरु महाराज जी ने बहुत सेवा लेनी है। ये हमारा ही सत्संग है जो वरियाम सिंघ जी करते हैं। तुम हमारे बच्चे हो, तगड़े होकर सेवा किया करो। गुरु महाराज जी तुम्हारे पर बहुत कृपा करेंगे। इस तरह भी बहुत सारे वचन प्रसन्न होकर किए। उस समय संत वरियाम सिंघ जी ने विशारत नगर पंचमी का दीवान लगाना आरंभ कर दिया था। हर दीवान में संत वरियाम सिंघ जी अपने कीर्तन के समय से पहले इन दोनों भाइयों को बारी-बारी कीर्तन करवाते थे। संत बाबा वरियाम सिंघ जी ने गांव नवाब नगर भाई नसीब सिंघ के घर दीवान में वचन कहे थे "साधसंगत जी यह जो सत्संग रुपी पौधा बड़े महाराज राड़ा साहिब वालों की और गुरु महाराज जी की कृपा से तहसील बिलासपुर में लग चुका है, यह अब कलियुग की मार से ऊपर चला गया है। इस विषय में हमें कोई फिक्र नहीं करना चाहिए। यह पौधा जिसने लगा है, इस सत्संग रुपी पौधा की देख-रेख खुद आप करेंगे। अभी तो रामपुर जिले में ही सत्संग होते रहे हैं, यह सत्संग रुपी पौधा इतना बढ़ेगा- फलेगा, फैलेगा कि आप लोग सोच भी नहीं सकते। क्रमशः.....

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सेवानिवृत्त होने पर दी विदाई

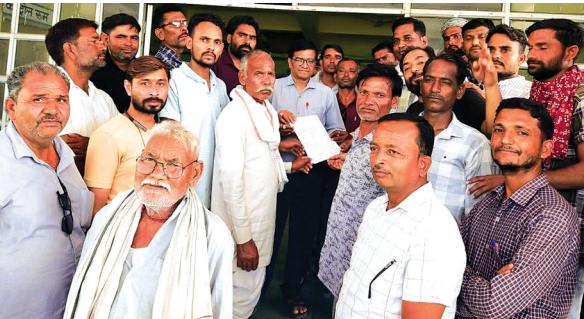
श्योपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा सेवा निवृत्त हो गए हैं। बीती शाम को न्यायालय कर्मचारियों ने शिवपुरी रोड स्थित एक रिसॉर्ट में एक विदाई समारोह आयोजित करके प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें भावमयी विदाई दी। इसमें प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय डीएस चौहान, प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एलडी सोलंकी, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रतिष्ठा अवस्थी, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बबिता होरा शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संस्था मरावी सहित अन्य न्यायाधीश, डीएसओ विधिव सेवा प्राधिकरण योगेश बंसल, अमिताभ संघ जिलाध्यक्ष ललित मुद्गल, उपाध्यक्ष राकेश जाट, सचिव मुस्ताक अहमद, प्रशासनिक अधिकारी अनिल कुमार सेन, तृतीय श्रेणी कर्मचारी संघ अध्यक्ष संदीप कुमार गोयल, सचिव बुजर्जियोग शर्मा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ अध्यक्ष इशार कुरेशी, सचिव नसीब खान सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

बड़ौदा नालों को डाइवर्ट करने के खिलाफ किसान लामबंद, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज़ ►► श्योपुर

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा बड़ौदा नगर में जल भराव की समस्या पर ली गई बैठक में जनप्रतिनिधियों और अफसरों से मिले सुझावों के किसान नेता राधेश्याम मूंडला ने किसान विरोधी बताते हुए किसानों के साथ कलेक्ट्रेट पर आंदोलन करते हुए ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में बड़ौदा नालों का रुख अहेली नदी की ओर मोड़ देने से वहां के किसानों के डूब क्षेत्र में आ जाने का उल्लेख किया गया है।

ज्ञापन में उल्लेख किया है कि प्रशासन द्वारा बड़ौदा में जल भराव की समस्या को खत्म करने के उद्देश्य से नालों का रुख अहेली नदी की ओर मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे बारिश के पानी में इस



नदी किनारे और रास्ते में आने वाले कई गांव डूब में आ जाएंगे। इन गांव में हमेशा बाढ़ का खतरा बना रहेगा और खेती किसानों पर भारी संकट आ जाएगा जो किसान आज 2 जून की रोटी खेती किसानों कर हासिल कर रहे हैं इन नालों के कारण भूखे मरने की कगार पर पहुंच जाएंगे। इसके अलावा ज्ञापन में अतिवृष्टि से नष्ट फसलों का मुआवजा, फसल बीमा क्लेम, चंबल नहर की मरम्मत, खेत सड़क योजना

की शुरुआत, पीएम आवास योजना की बहाली, मूंडला की जर्जर बिजली लाइन बदलने, खाद की किल्लत और कालाबाजारी पर रोक तथा झालावाड़ स्कूल हादसे के दोषियों पर कार्रवाई की मांग शामिल करने के साथ राजस्थान के नेता नरेश मीणा की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए रिहाई की भी मांग की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे

अगस्त तक आयोजित
अशोकनगर। भारत शासन के संस्कृति मंत्रालय एवं जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर गिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग विषय पर 15 अगस्त र अभियान 08 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 08 अगस्त को अभिया का शुभारंभ, 09 से 11 अगस्त तक सामुदायिक स्वच्छता अभियान, 12 अगस्त अवसरसंरचना स्वच्छता दिवस, 13 अगस्त को संवाद एवं जागरूकता दिवस तथा 14 अगस्त एवं 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को तैयारी एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह पर कई गतिविधियें का आयोजन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

करंट लगने से युवक की मौत
 अशोकनगर। जिले के सेहराई थाने के अंतर्गत ग्राम अरौन निवासी जालम आदिवासी ने पुलिस को सूचना दी थी कि राजू पुत्र प्रभु आदिवासी उम्र 35 साल को राजेन्द्र यादव के कुएं पर करंट लग गया है। इस घटना में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया।

युवक की अधिक शराब पीने से मौत
 अशोकनगर। जिले के पिपरई थाने के अंतर्गत नितेन्द्र पुत्र बबलू लोधी उम्र 21 साल निवासी ग्राम तारई की अधिक शराब का सेवन करने से अपने ही घर में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत
 अशोकनगर। अशोकनगर-ईसागढ़ मार्ग पर ग्राम बमनावर के समीप शिवपुरी जिले के मायापुर थाने के अंतर्गत ग्राम तेरई निवासी सौरभ पुत्र रामपाल यादव उम्र 22 की सड़क दुर्घटना में आई चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है । इस घटना में अटिका कार के चालक ने अपने वाहन को तेजी वह लापरवाही से चलाकर उसे टक्कर मार दी थी जिससे उसकी मौत हो गई।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज
 अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत त्रिलोकपुरी कॉलोनी निवासी प्रियंका साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी अरविंद और जगन्नाथ शर्मा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम केथन निवासी मांगीलाल बंजारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राजाराम बुंदेल, अन्नोबाई, कपूरी बाई बंजारा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवासी रूकसार पत्नी सलमान खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी नवेद खान और जितेन्द्र आदिवासी और राजवीर आदिवासी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोहरवास निवासी प्रेमनारायण कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी चन्द्रभान और वीरभान यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

सहायक संचालक ने जिले के हाई व हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्यों की बैठक ली



हरिभूमि न्यूज़ ॥ अशोकनगर

ग्वालियर से शिक्षा विभाग के सहायक संचालक अरविंद भदौरिया और उनके साथ अशोक पवार जिले में संचालित शिक्षा विभाग की योजनाओं और उनके कार्याण की समीक्षा करने के लिए अशोकनगर जिला मुख्यालय शिक्षा विभाग के मीटिंग हॉल में पहुंचे। जहां हाई सेकेंडरी और हाई स्कूल के प्राचार्य और जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर निसिादिया ने सभी का आभार व्यक्त किया और उपस्थित अधिकारियों का स्वागत में कहा कि शासन के निर्देश के अनुसार हाई सेकेंडरी हाई स्कूल के जिन भवनों में जिले के छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं उन भवनों का निरीक्षण सर्वे कराकर ऐसे भवन जिनमें कमियां पाई गई हैं। उन्हें खाली कराकर छात्र-छात्राओं को



अन्य भवनों में शिफ्ट कर अध्ययन कराया जा रहा है। इस दौरान ग्वालियर से आए अधिकारियों ने कहा कि देश में कई दुखद घटनाएं हुईं जिनका देश के हर जनमानस को दुख है। इन भवनों में देश की नई प्रतिभा अध्ययन करती हैं और ऐसे में यदि कोई घटना होती है तो सभी को शर्मसार कर देती है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी के दिए गये आंकड़ों पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना एक पौधा मां के नाम पर भी हमें अपने क्षेत्र में प्रगति लाना है। यह पौधा कहीं भी लगे कुछ-कुछ संभालने की जिम्मेदारी भी लगाने वाले की होना चाहिए। इस प्रकार की प्रेरणा शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को भी प्रदान की जाए जिससे कि जो पौधे लगाए जाएं उनका जीवन बनाए रखा जाए।

इस दौरान उनका ध्यान आकर्षित कराया गया कि प्राथमिक

और माध्यमिक विद्यालय के कई भवन जर्जर अवस्था में है, भवनों से पानी टपकता है और जिन विद्यालय के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण कराया गया ऐसे कई विद्यालय हैं जहां आज भी अतिरिक्त कक्ष पूर्ण नहीं हुए हैं। जिन विद्यालयों में मध्यान भोजन तैयार करने के लिए किचन सेट तैयार किए गए हैं वह किचन सेट भी गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं होने के कारण पूर्ण अवस्था में है। कहीं पानी टपक रहा है कहीं भवन धराशाय हो गया है। ऐसे ही अनेकों विद्यालयों के शौचालय को छात्र-छात्राओं के लिए सुलभ व्यवस्था के रूप में तैयार कराए गए थे यह शौचालय भी कई विद्यालयों की क्षतिग्रस्त थे। विद्यालय तक शासन की योजना के तहत पेयजल की व्यवस्था होना चाहिए उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं पर समीक्षा की जा रही है समीक्षा में जहां जिस विद्यालयों में कमियां सामने आती है

अदालत भी लिंक कोर्ट के रूप में अशोकनगर और कुरवाई में लगती थी इतिहास के झरोखे से: अशोकनगर में सन 1933 में हुई थी तहसील की शुरुआत



हरिभूमि न्यूज़ ॥ अशोकनगर

जिला मुख्यालय पर कई ऐतिहासिक बिन्दु ऐसे हैं जिन्हें आम जन मानस को पता नहीं है। यह जानकारीयें धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही हैं। ऐसी ही जानकारीयों को एकत्रित जब किया गया तब कई महत्वपूर्ण बिन्दु उभरकर सामने आए हैं। तहसील और अदालत के कार्यों से जुड़े हुए लोगों का कहना है कि यहां तहसील की शुरुआत वर्ष 1933 में हुई थी और अदालत उसी दौर में लिंक कोर्ट के रूप में अशोकनगर और कुरुवाई में एक सप्ताह के अंतर से लगती थी।

अदालत 3 भवनों में संचालित हुई
 अगर जिला मुख्यालय पर अदालत की बात करें तो जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष चन्द्रशेखर साहू ने बताया कि अदालत का जो पुराना भवन गांधी पार्क पर है उस पर वर्ष अंकित है लेकिन वहां न्यायालय का नाम काले अक्षरों में लिखे जाने के कारण वह वह छिप गया है। उन्होंने बताया कि इस भवन में सारे विभाग हटने के बाद लम्बे समय तक अदालत चलती रही। 1991-92 में उप-जेल के सामने एक अदालत का नया भवन बनकर तैयार हुआ, लेकिन यह भवन जल्द ही क्षतिग्रस्त हो गया। किसी भी प्रकार की आशंका को देखते हुए इस भवन को फिर से गांधी पार्क वाले पुराने भवन में स्थानांतरित किया गया। फिर से नए भवन का निर्माण अशोकनगर-गुना सड़क मार्ग पर हुआ और यहां वर्ष 2014 में व्यामर्तित जितेन्द्र महेश्वरी और आनंद पाठक के कार्याकाल में यह भवन बनकर तैयार हुआ। वर्तमान में यहां एक डीजे, चार एड्डीजे, फैमली कोर्ट, एक उद्यमोक्ता न्यायालय, एक सीजेएस न्यायालय, 4 व्यवहार न्यायाधीश के न्यायालय संचालित है। किशोरे न्यायालय जगह की कमी के कारण पुराने भवन में ही लग रहा है।

अपर मुख्य सचिव ने 15 अगस्त की तैयारियों संबंधी की वीडियो कॉफ्रेंस



अशोकनगर।आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस मनावे जाने की तैयारियों के संबंध में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉफ्रेंस आयोजित की गई। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जिले में 15 अगस्त के आयोजन के तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गए। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वतंत्रता दिवस संदेश वाचन का जिले में लाईव प्रसारण कराये जाने के निर्देश दिये गए। इस अवसर पर कलेक्टर आदित्य सिंह,पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन,संयुक्त कलेक्टर आर.बी.सिण्डोस्कर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनोद उन्गीतान उपस्थित थे।



रक्षाबंधन: जिला जेल में खुली मुलाकात संबंधी निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज़ ॥ अशोकनगर

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जेल अवीक्षक जिला जिला अशोकनगर द्वारा 9 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में जिला जेल अशोकनगर में होने वाली खुली मुलाकात के संबंध निर्देश जारी किए गए हैं। जेल अधीक्षक ललित दीक्षित ने जारी निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्यक्ष मुलाकात सिर्फ रक्षाबंधन वाले दिन 9 अगस्त को ही दी जाएगी। मुलाकात प्रातः 08:30 बजे से 12:00 बजे तक लिखी जाएगी एवं दोपहर 02:00 बजे तक मुलाकात दी जाएगी। प्रत्येक बंदी को राखी बंधाने एवं प्रसाद ग्रहण करने हेतु कुल समय 10 मिनट दिया जाएगा। पुरुष बंदियों से प्रत्यक्ष राखी बांधने हेतु उनके परिवार की केवल महिलाओं (संख्या-03) एवं उनके साथ आने वाले 06 वर्ष तक के

नगर पालिका की सफाई व्यवस्था ठप, हड़ताल के कारण गंदगी फैली



अशोकनगर। चन्देरी में पिछले तीन दिनों से चंदेरी नगर पालिका की सफाई व्यवस्था ठप्प है, जिससे सड़कों पर गंदगी का देर लग गया है। कहा जा रहा है कि इस समस्या का कारण नगर पालिका कर्मचारियों की तनख्वाह का न मिलना है, जिसके कारण कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इस बिना सफाई के शहर में साफ-सफाई का सपना धूल में मिल गया है। नगर पालिका में अक्सर राजनीतिक कगार देखने को मिलती है, लेकिन इस बार स्थिति गंभीर हो गई है। पूर्व में भी ऐसी ही समस्याएं उठी हैं, पर समाधान नहीं निकल सके हैं। विकास कार्य और बजट की कमी का जिम्मेदार यहां क्या ब्रूमिका है, इसे लेकर कोई स्पष्ट कदम अभी तक नहीं उठाए गए। इन हालातों में जनता को अपने ही शहर की साफ-सफाई की चिंता सता रही है और क्या नए कदम उठेंगे। इस पर सभी की नजरें टिक गई हैं। यहां के ना वित्तीयक अपना जिम्मेदार रवेया दिखा रहे हैं ना ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस दिशा में कोई कदम उठाने के लिए प्रयास कर रहे हैं यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया तो रोजाना इसी तरह की समस्याएं खड़ी होगी और आए दिन हड़ताल पर कर्मचारी जासंगे तो पब्लिक से जुड़ी समस्याओं का निवारण कैसे हो सकेगा और कैसे लोग अपनी समस्या का समाधान कर पायेंगे क्योंकि पूरे कर्मचारी इस तरह हड़ताल पर रहेंगे तो नगर पालिका में पब्लिक अपने दस्तावेजों पर सिग्नेचर कैसे कर सकेंगे।

जहां स्वार्थ आता है वहां गुरु शिष्य का संबंध खत्म हो जाता है: मुनिश्री



हरिभूमि न्यूज़ ॥ अशोकनगर

दिगम्बर जैन दर्शन के आध्यात्मिक संत मुनिश्री सुधासागर महाशय ने चार्तुर्मास के दौरान एक धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि साधु हमेशा जगत के कल्याण का भाव रखता है। और प्रवचन देते समय यह ध्यान रखना चाहिए की कोई स्वार्थ तो नहीं है यदि तुम्हे स्वार्थ नजर आए। तो अपना गुरु मत बनाना। गुरु शिष्य का संबंध स्वार्थ के कारण खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा कि बेटे में स्वार्थ आ जाए लेकिन मां-बाप में स्वार्थ नहीं आना चाहिए, राजा में स्वार्थ नहीं आना चाहिए। मंदिर में जो भगवान बैठे हैं उन्हें क्या स्वार्थ है। तुम्हारे मन में भगवान को लेकर क्या कल्पना है। भगवान सिद्धालय से कभी आने वाला नहीं है वह तो सदा-सदा से सिद्धालय में बैठा है। अनंतकाल बीत जाए भगवान में कोई परिवर्तन आने वाला नहीं है। सम्यक दर्शन क्या होता है यह हमें पता ही नहीं है।

तुम्हें जिंदगी निकल गई माला फैरते-फैरते,स्वाध्याय करते-करते लेकिन तुम्हें यह पता नहीं है कि सम्यक दर्शन क्या है। हमें यह विचार करना होगा कि हम मंदिर आए हैं तो किसलिए आए हैं, सत्य और श्रद्धा क्या है। सत्य तो यह है कि इस पत्थर में ही पाषाण में ही भगवान हैं। हिरणकश्यप ने कहा कि इस खम्बे में भगवान हैं अगर हैं तो हैं हिरणकश्यप नहीं माना और तोड़कर लिखाया। सत्य तो यह था कि वह पिलर था सत्य में चमत्कार नहीं है लेकिन कण-कण में भगवान में हैं श्रद्धा में ही सारे चमत्कार हैं। श्रद्धा में ही आस्था और विश्वास का चमत्कार है। सत्य तो यह था कि गले में सांप है सांप खुद कह रहा है कि वही है लेकिन गले में डालने वाला कह रहा है वह नाग नहीं हार है।

मुनिश्री ने कहा कि तुमको किसी बात पर विचार नहीं करना चाहिए अगर तुम्हें अपनी मां पर विश्वास है तो इसका पानन करो। मां की झुट नहीं बोलती। इसी तरह विश्वास

भगवान पर होना चाहिए अगर भगवान हैं तो हैं। हमें यह समझना होगा कि संसार से ऊपर से भी कोई सृष्टि है क्या मां-बाप से भी कोई बड़ा है क्या। एक बार मां-बाप को एक को प्रणाम करते देखा तब समझ में आया कि मां-बाप से भी बड़ा कोई है। बुन्देलखण्ड में चक्रवर्ति को सबसे बड़ा माना जाता है। हम मंदिर जाते हैं भगवान का अभिषेक किया जाता है। उसे हम सिर-मांथे पर लगाते हैं। एक व्यक्ति ने राजन से पूछा कि क्या आपसे भी बड़ा कोई है। आप भी किसी की सरण में है क्या। चक्रवर्ती कहता है हम तो भगवान की चरणों की धूल के बराबर हैं मैं धन-दौलत का मालिक हूं यह तीन लोक के नाथ हैं। सम्यक दर्शन जिन बिम्ब और जिन महिमा से होता है। जो तुम्हारी दृष्टि में सचसे बड़ा हो उसे नमस्कार करें वहीं सम्यक दर्शन हैं। हमें जिस पर विश्वास है वही सबसे बड़ी शक्ति है। मुनिश्री की धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं।

तीन राष्ट्रीय खेलों में जीते पदक

भूरक्षा दुबे को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित



हरिभूमि न्यूज़ ॥ अशोकनगर

भोपाल के रवीन्द्र भवन में 5 अगस्त, गुरुवार को आयोजित मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण समारोह जिले के लिए गर्व का क्षण लेकर आया, जब अशोकनगर की अंतरराष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी भूरक्षा दुबे को 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

भूरक्षा ने देहरादून में आयोजित वुशू प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर न सिर्फ प्रदेश का, बल्कि पूरे अशोकनगर का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर उन्हें 3,20,000 की पुरस्कार राशि का चेक भेंट कर सम्मानित किया गया। भूरक्षा दुबे जिले की पहली और एकमात्र “विक्रम पुरस्कार” विजेता खिलाड़ी हैं। राष्ट्रीय खेलों में लगातार तीन बार पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। भूरक्षा अब तक 40 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं और यह उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का प्रमाण है कि वे तीन बार लगातार राष्ट्रीय खेलों में पोलडियम पर स्थान बनाने वाली मध्यप्रदेश की चुनिंदा और

इस समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहे

विश्वास सारंग मंत्री, खेल एवं युवा कल्याण,सहकारिता विभाग,रमेश मेंदोला अध्यक्ष, मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ,दिविजय सिंह सचिव, मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ, मनीष सिंह प्रमुख सचिव, खेल राकेश गुप्ता संचालक, खेल एवं युवा कल्याण, अजय श्रीवास्तव उप सचिव बी. एस. यादव संयुक्त सचिव। भूरक्षा दुबे की यह उपलब्धि जिले के युवाओं और खेल प्रतिभाओं के लिए एक सशक्त प्रेरणा है। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि किसी छोटे से जिले से निकलकर भी वैश्विक स्तर पर मुकाम पाया जा सकता है,मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित होने के उपलक्ष्य में जय संसाधन विभाग के समस्त स्टाफ द्वारा भूरक्षा का स्वागत किया गया,खेल विभाग समेत शहर के सभी वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों द्वारा बधाई दी गई।

अशोकनगर की इकलौती खिलाड़ी हैं। उनके इस अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें पहले ही मध्यप्रदेश सरकार द्वारा “एकलव्य पुरस्कार” और फिर “विक्रम पुरस्कार” से नवाजा जा चुका है।

इनरव्हील क्लब अशोकनगर ने विश्व स्तनपान सप्ताह पर किया सेवा कार्य

अशोकनगर। बुधवार को इनर व्हील क्लब अशोकनगर द्वारा जिला अस्पताल के मेटर्निति वार्ड में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर एक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रसूताओं को गुड, चना व दहीका के पोषक पैकेट वितरित किए गए। सज्जता शिशुओं के लिए ब्लैकटेड एवं उपयोगी सामग्री की किट प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर सचिन राजर्जन और डॉ. ममता यादव ने स्तनपान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए माताओं को शिशु के प्रारंभिक पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इनर व्हील क्लब सदस्यों की यह पहल सराहनीय रही। जो समाज में मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य के प्रति सजगता को बढ़ावा देती है। इस अवसर पर क्लब की सदस्यों ने अध्यक्ष सरिता अशवाल के साथ शिपा अशवाल, प्रीति मनोरिया, अर्चना बंसल किरण अशवाल उपस्थित रही।



थंब लगवा लिया और राशन नहीं दिया, सैकड़ों हितग्राही हो रहे परेशान

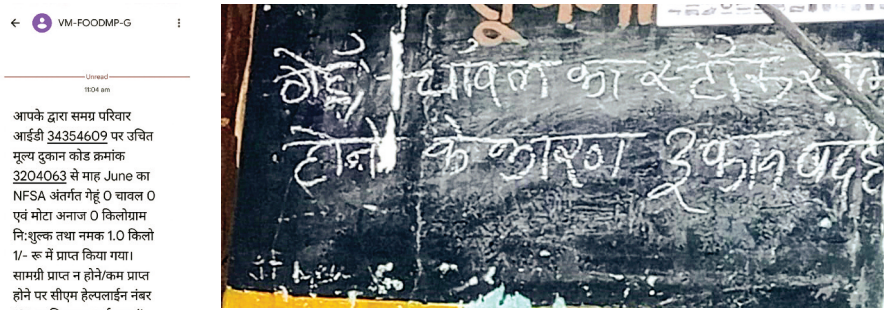
'साहब' हमारा 3 माह का राशन दिला दो गेहूं-चावल छोड़िए, नमक भी नहीं नसीब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़-ब्यावरा

केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों को भेजा गया तीन महिनों के राशन पर भी अधिकारियों की मिलीभगत से दुकानदारों ने ग्रहण नहीं दिया। माई माह में जून, जुलाई व अगस्त का आवंटन राशन दुकानदारों के पहुँचाना सुनिश्चित करना और उस जून में ही बटवाना अधिकारियों की प्राथमिकता थी परंतु लापरवाही एवं मननीय के चलते गरीब हितप्राप्तियों को नजर अंदाज करते हुए वितरण 6 अगस्त तक भी गरीब रहा। इसमें हैरत की बात यह है कि जब आपूर्ति विभाग को मुख्यमंत्री मोहन यादव के दौरे का पता चला तो आनन-फ़ानन में राशन दुकानों में पीओएस मशीन में दिख रहे स्टैंक को खत करके की कबायत पिछले तीन दिनों से लगातार चली रही है। जिससे यदि कहीं मंच से मुख्यमंत्री इसके बारे में पूछ लें तो हम बात-प्रतिशत आवंटन और वितरण का कहकर पल्ला झाड़ सकते हैं। इसी तरह जिले भर में पीओएस मशीनों से कोरोना के समय का बताकर 5 हजार टन से ज्यादा राशन हटा दिया गया जिसका कोई प्रमाणिक आधार आपूर्ति विभाग के पास नहीं है।

हकीकत यह कि थंब लगवा
लिया और नहीं दिया राशन

मुख्यमंत्री के 7 अगस्त के दौरे की पुष्टि होते ही अपूर्ति विभाग के जिला अधिकारी सहित जूनियर अधिकारी एवं जगह की पीओएफ सीधीन जिसमें राशन बचा हुआ था उसे दूसरी दुकान जहां पर राशनपर ले जाकर बचे हुए सैकड़ों हितग्राहियों को राशन का कहकर उनका अगूठा लगावा लिया एवं राशन नहीं दिया गया। जिससे अधिकारियों के पूछे जाने पर शत प्रतिशत राशन वितरण बताया जा सका। इस पर जब राशन दुकानदारों से पूछा गया तो उन्होंने आवंटन न होने की बात कही।



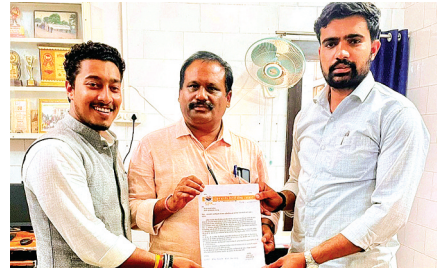
जिला आपूर्ति अधिकारी बोले- 2 दिन और इंतजार कर लो

जब बारे में जब जिला आपूर्ति अधिकारी अजीत सिंह से बात की गई और बताया गया कि सिर्फ एक ही राशन दुकान से लगभग 150 के लगभग हितावाही तौन माह के राशन से आज भी बंचित है और दुकानदार ने हमसे थंब लगावाकर राशन दो-तीन दिन बाद देने का बोला है। इस पर अजीत सिंह ने कहा कि दो दिन और इंतजार कर लो फिर मुझे बताना। इस तरह से जेएसओ स्वामी वायकर और डीएसओ अजीत सिंह का रवेया गरीब हितावाहियों के प्रति कितना जबाबदेही है यह समझा जा सकता है।

अभाविप
पदाधिकारियों ने
आरोप लगाते हुए
सौंपा झापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़

निजी कॉलेजों में एडमीशन के बाद सिर्फ परीक्षा देने पहुंचते हैं विद्यार्थी



योजनाओं का लाभ फर्जी तरीके से लिया जा रहे है इसके साथ ही निजी कॉलेजों में पढ़ाने वाले स्टाफ का नाम रजिस्टर में तो दर्ज रहते हैं लेकिन, असल में वे कॉलेजों में कार्यरत ही नहीं हैं। विभिन्न अशासकीय महाविद्यालयों में सरकार द्वारा निर्धारित की गई शैक्षणिक फीस तय मापदंडों से अधिक ली जा रही है।

ज्ञापन में यह भी लगाए आरोप

उक्त ज्ञापन में आगे उल्लेख है कि अधिकांश निजी कॉलेजों में एक ही परिसर में अनेक विषयों की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं, जो नियम विरुद्ध है। साथ ही महाविद्यालय परिसर शासन की मान्यताओं की तय मापदंड के अनुसार नहीं है, ऐसे में इनकी जांच कर मान्यता सप्ताप की जाए। इन सभी बिंदुओं को संज्ञान में लेकर सभी अशाखाओं के महाविद्यालयों की जांच 7 दिवस में कराकर उचित कार्यवाई करने मांग अभावित हो रही है अतःयथा परिषद उस आंदोलन के लिए हाथ्य होगी।

मरीज के पिता ने कहा- भर्ती करते समय पीलिया 8.21 और 6 दिन दवा लेने के बाद बढ़कर हुआ 17.44 प्रतिशत

नहीं मिला सही उपचार बढ़ाया मर्ज, डॉ दांगी पर लापरवाही करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा

सिविल अस्पताल ब्यावरा में उपचार के नाम पर मामूसों के जीवन से खिन्नाइ करतें डॉक्टर मिलना आना बात हो चली है। प्रशासिकीय सिस्टम का फेल्टुर इत तरह है कि न कोई सुनने वाला न ही इसके सुधार की गुंजाइश ही नजर दिखाई दे रही है। ताजा मामला शासकीय अस्पताल ब्यावरा के डॉक्टर लखन दोगी से संबंधित है जिसमें एक 11 साल के मामूस को पीलिया के लिए भर्ती किया तो उस समय की गई जांच में पीलिया 89%21 प्रतिशत था इसके बाद 6 दिन तक ठण्डी चला उपचार चलने के बाद पीलिया कम होने के बजाय बढ़कर 16%44 प्रतिशत हो गया। जिसमें मामूस दिलरशन की तबीयत बिगड़ती चली गई और उसकी आखों में पीलापन बहुत ज्यादा बढ़ गया तब उसके पिता अमीन खान ने दूसरे डॉक्टर से सलाह ली तो पता चला की दिव गए उपचार में पीलिया का उपचार था ही नहीं। ऐसेमें हालातों में जीने को मजबूर है शहरवासियों। मामूस की हालात बिगड़ने पर प्रायदेवें हॉस्पिटल में भेजना कहा तब सही है इसके बाद भी न जब हंगामा किया तो फिर डॉ बीएम गुप्ता ने बच्चे का उपचार शुरू किया एवं पूर्व से चल रहा डॉ लखन दोगी का उपचार बंद करवाया तब कहीं जाकर मामूस की हालात में सुधार आना शुरू हुआ।



जब डॉ लखन दोगी ने मासूम की हालत बिगडती देखी तो उन्होने पिता आमोन खान को प्रावेष्ट नर्सिंग होम भोपाल में ले जाकर इलाज करवाने को कहा जिसके लिए उन्होने बकायदा डॉक्टर के नंबर भी पिता को पर्व पर लिखकर दिए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकारी डॉक्टर किस तरह प्रावेष्ट हॉस्पिटल के लिए काम करते हैं। क्या विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इन पर लगाम लगा पाएंगे या फिर इसी तरह का दर्रा चलता रहेगा।

**डॉ लखन दांगी ने सभी जाचें
अस्पताल के बाहर से करवाई**

मरीज भले ही सिविल अस्पताल ब्यावरा में मर्ती था परंतु डॉ लखन दांगी को कमाई की सुई लगाकर चालू थी जिसमें वह अंदर मर्ती मासूम मरीज दिलशान को जांचे भी बाहर को फिकस पैथालॉजी से करवा कर मंगा रहे थे जिसमें 6 दिन में लगभग 7 हजार की जांचे करवाई गईं और बच्चे की तबीयत में सुधार भी नहीं आया। एक फिती ने गुहार लगाई है कि इस तरह के डॉक्टर से अपने बच्चों को बचाएं।

इनका कहना है

आप मुझे इसकी पूरी जानकारी लिखकर भेजिए मैं दिखवा लेती हूं
डॉ शोभा पटेल ,सीएमएचओ राजगढ़

बाल कल्याण समिति के प्रयासों के बाद माने परिजन

जेल के वातावरण से दूर नाना-मामा के पास रहेगा 6 वर्षीय बालक

हरिभूमि न्यूज ►► राजगढ़

किसी अपराध के चलते सारांगपुर न्यायालय में विचारार्थीन मामले में एक 6 वर्षीय बालक अपनी माता के साथ जिला जेल राजगढ़ में रह रहा था। जेल प्रबंधन के नियमों के अनुसार 6 वर्ष से अधिक के बालक को जेल में नहीं रह सकेंगे। ऐसे में न्यायालय ने बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष साकेत शर्मा को पत्र जारी करते हुए बालक को समिति के संरक्षण में रखने हेतु लेख किया। इस बालक के अन्य परिवारजन जो जेल के बाहर थे, वे भी उसे अपने साथ रखने के लिए



तैयार नहीं थे। वहीं, जेल में निरुद्ध उसकी माता भी नन्हें बच्चे को अपने से दूर नहीं करना चाहती थी। इस दुविधापूर्ण विषम परिस्थिति को देखते हुए समिति अध्यक्ष साकेत शर्मा सहित सदस्यगण सुरेश चंद्रवंशी, रिंकु सुनेरी, नीलेश मालवीय

जिला जेल पहुंचे और जेल अधीक्षक आलोक वाजपेयी को पूरा विषय बताया। समिति सदस्यों ने जेल में निरुद्ध माता को समझाया कि यहां कौन सा वतावरण में आपको नहें बच्चे को नहीं रखना चाहिए। लेकिन, बालक की मां नहीं मानी क्योंकि वह अपने ज़िगर के टुकड़े को अपने से दूर नहीं रखना चाहती थी। ऐसे में बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चे की मां सहित जेल के बाहर उसके अन्य परिजनों की कई बार काउन्सलिंग करते हुए बालक के सर्वोत्तम हित हेतु उसे जेल से बाहर रखने हेतु प्रेरित किया। अंततः बच्चे की मां सहित उसके मामा व ननिहाल के अन्य लोग मां को

नेवज की छोटी
पुलिया चौराहे पर
रहती है हर दम
बदहाल स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़

मुख्यालय पर हर बुधवार लगने वाला साप्ताहिक हाट-बाजार को शहरी सीमा से बाहर लगाने की मांग तेज होती जा रही है। दरअसल, हर बुधवार मेन मार्केट, दशहरा मैदान सहित नेवज नदी की छोटी पुलिया के समीप वाले चैराहे पर घंटों तक जाम लग रहा है। ऐसे आमजनों को ख़ासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आगामी 9 अगस्त को रक्षाबंधन होने के चलते कल के साप्ताहिक हाट-बाजार के हाल कुछ ज्यादा ही खराब नजर आए। छोटी पुलिया के चैराहे पर दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक करीब तीन घंटे तक जाम



लगा रहा और लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे।

दरअसल, तंवरवाड़ क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों के सैकड़ों लोग साप्ताहिक हाट-बाजार में खरीदारी

करने सहित अन्य कार्यों से राजगढ़ आया करते हैं। ऐसे में नेवज के छोटे पुल चैराहे पर हर बुधवार जाम लगने की समस्या अब लाईलाज होती जा रही है।

अपने ही नियमों का
पालन नहीं करवा
पा रही नपा

हाट-बाजार की बद्दहाल यातायात

व्यवस्था को कुछ हद तक खत्म करने करीब छह साल पहले नगर पालिका ने निर्णय लिया कि छिछोरे बुधवार को कोई भी सब्जी विक्रेता मंगे मार्केट में अपनी दुकान न लगाते हुए दशहरा मेढकान स्थित मार्केट दुकान लगाएगा। शुरू-2 में सब्जी विक्रेताओं ने भी इस नियम का पालन किया वहीं हालांन कार्यवाही भी देखाओे निला। लेकिन अज पुनः हालात उसी ढर्रे पर लौट आए हैं और नगे मार्केट में ही सब्जी की अनेकों दुकानें लागे लागी हैं जिसके कारण तौटैक व्यवस्था बढ से बढनाल हाती जा रही है।

बाबा बँजनाथ की पावन नगरी नरसिंहगढ़
में पधारने पर
मा. मुख्यमंत्री
का
हार्दिक
अभिनंदन

सौजन्य : समस्त विधानसभा क्षेत्र नरसिंहगढ़